कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट

कार्यक्रम : मास्टर ऑफ् आर्ट्स हिन्दी (एम. ए. हिन्दी)

कार्यक्रम के विषय में:

एम. ए. हिन्दी एक स्नातकोत्तर हिन्दी भाषा पाठ्यक्रम है। इसमें हिन्दी साहित्य के सभी पहलुओं पर जोर दिया जाता है। हिन्दी साहित्य को मोटे तौर पर चार प्रमुख रूपों में बांटा गया है– भक्ति (भक्तिभाव– कबीर, रसखान), श्रृंगार (सौन्दर्य– केशव, बिहारी), वीरगाथा, (बहादुर योद्धाओं का गुणगान) तथा आधुनिक। एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम की न्युनतम समयावधि 2 वर्ष है। एम.ए. हिन्दी एक रोजगार उन्मुख पाठ्यक्रम है। इस कार्यक्रम के पूरे होने के पश्चात् शिक्षार्थी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते है।

(क) कार्यक्रम का लक्ष्य और उद्देश्यः

कार्यक्रम का लक्ष्यः

मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा के तहत एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम के द्वारा शिक्षार्थियों को शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए। ज्ञान को बनाए रखने और उत्पन्न करने के लिए मानव संसाधन विकसित करने और बढ़ाने के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए व्यावहारिक संचार के प्रयोजन के लिए भाषा को प्रभावशाली ढंग से उपयोग करने की क्षमता विकसित करने तथा उन्हें सोचने और भाषा में भावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए अपने पढ़ने और लेखन कौशल में सुधार करने के लिए। बोली भाषा के जरिये प्रभावी रूप से संवाद करने और देशी वक्ता के उच्चारण को प्राप्त करने की उनकी क्षमता को बढ़ाने के लिए।

कार्यक्रम के उद्देश्यः

- हिन्दी साहित्य के व्यापक और गहन अध्ययन को बढ़ावा देना।
- हिन्दी साहित्य से बढ़कर भाषा विज्ञान, अनुवाद और जनसंचार के क्षेत्र का व्यापक और गहन अध्ययन कराना।
- हिन्दी में बोलने के लिए व्यापक अवसर प्रदान कराना।
- हिन्दी में बड़े पैमाने पर शोधकर्ताओं को बढ़ावा देना।
- साहित्यिक अभिव्यक्ति के सभी तरीकों का विश्लेषण, व्याख्या, और मूल्यांकन करने की शिक्षार्थी की क्षमता को मजबूत करने के लिए।

(ख) विश्वविद्यालय के लक्ष्य के साथ कार्यक्रम की प्रासंगिकता :

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा का उद्देश्य शिक्षार्थियों को गुणवत्तायुक्त उच्च स्तरीय मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करना, विश्वविद्यालय के मुक्त एवं दूरवर्ती व नियमित शिक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रम जैसे वाणिज्य, प्रबंधन, विज्ञान, शिक्षा एवं कला के माध्यम से शिक्षार्थियों के व्यक्तित्व, कौशल, ज्ञान, योग्यता का सर्वांगीण विकास करना।

मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा में एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम के द्वारा नियमित शिक्षा से वंचित शिक्षार्थी जो अपने ज्ञान, शैक्षणिक योग्यता, व्यक्तिक एवं व्यावसायिक कौशल में वृद्धि करना चाहते है उन्हें

Registrar — Dr. C.V. Raman University

Vice Chancellor — C.V. Raman University, Bilaspur (C.G.)

उच्च शिक्षा का अवसर प्राप्त होगा।

(ग) **शिक्षार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह का स्वरूपः**

यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन शिक्षार्थियों के आवश्यकतानुसार तैयार किया गया है जो नियमित अध्ययन से वंचित है। शासकीय व अशासकीय लोक नियोजन में कार्यरत कला स्नातक कर्मचारी, ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षार्थी, आर्थिक स्थिति से कमजोर, व्यावसायी, गृहणी एवं कामकाजी महिला जो किसी कारण से नियमित अध्ययन करने में असमर्थ है ऐसे शिक्षार्थी लक्ष्य समूह है।

(घ) **मुक्त और दूरस्थ शिक्षा पद्धति विशिष्ठ कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तता :-**

- स्नातकोत्तर शिक्षार्थियों को हिन्दी साहित्य के विभिन्न पहलुओं व विधाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
- स्नातकोत्तर शिक्षार्थियों को हिन्दी साहित्य के द्वारा हिन्दी भाषा कौशल में दक्ष होंगे।
- हिन्दी भाषा में रूचि रखने वाले शिक्षार्थियों को हिन्दी भाषा का ज्ञान होगा।
- स्नातकोत्तर शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के वातावरण में संचार करेंगे।

(ङ) **निर्देशात्मक डिजाइनः**

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति में एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम दो वर्षीय चार सेमेस्टर की अवधि का होगा इस पाठ्यक्रम में किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण शिक्षार्थी प्रवेश ले सकता है।

क्रेडिट प्वाईटः

मुक्त एवं दूरवर्ती शिक्षा में एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम क्रेडिट सिस्टम का अनुसरण करती है इस प्रणाली में प्रत्येक क्रेडिट 30 घण्टों के अध्ययन के समकक्ष होता है अर्थात् प्रत्येक सेमेस्टर के एक विषय में 4 क्रेडिट प्वाईट है जिसमें 120 घण्टों का अध्ययन सम्मिलित है। इससे शिक्षार्थी को उस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने में लगने वाले समय व श्रम का ज्ञान होगा। एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित है प्रत्येक सेमेस्टर में 20 क्रेडिट प्वाईट है इस प्रकार चार सेमेस्टर 80 क्रेडिट प्वाईट का होगा।

MASTER OF ARTS - HINDI LITERATURE

Duration: 24 Months (2 Years)

Eligibility: Graduate in any discipline

Course Code	Name of the Course	Credit	Total Marks	Theory / Report		Assignments /Seminars & Presentations/Viva Voce/ Practical	
				Max	Min	Max	Min
			First Semester				
1MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास -I	4	100	70	25	30	11
1MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास-I	4	100	70	25	30	11
1MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र-I	4	100	70	25	30	11
1MAHIN4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	100	70	25	30	11
1MAHIN5	हिन्दी साहित्य का इतिहास-I	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		20	500	350	140	150	60

Dr. C.V. Raman University Registrar Kota Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

Second Semester							
2MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास –II	4	100	70	25	30	11
2MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास–II	4	100	70	25	30	11
2MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र–II	4	100	70	25	30	11
2MAHIN4	अनुवाद विज्ञान	4	100	70	25	30	11
2MAHIN5	हिन्दी साहित्य का इतिहास–II	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**20**	**500**	**350**	**140**	**150**	**60**
Third Semester							
3MAHIN1	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	4	100	70	25	30	11
3MAHIN2	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4	100	70	25	30	11
3MAHIN3	लोक साहित्य	4	100	70	25	30	11
3MAHIN4	पत्रकारिता प्रशिक्षण	4	100	70	25	30	11
3MAHIN	विशेष अध्ययन – कवि तुलसीदास/ सूरदास/ निराला	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**20**	**550**	**350**	**140**	**150**	**60**
Fourth Semester A							
4MAHIN1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	30	11
4MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	70	25	30	11
4MAHIN3	हिन्दी भाषा	4	100	70	25	30	11
4MAHIN4	समकालीन विमर्श (स्त्री एवं दलित विमर्श)	4	100	70	25	30	11
4MAHIN5	विशेष अध्ययन –रामचंद्र शुक्ल / कथाकार प्रेमचंद/ जयशंकर प्रसाद	4	100	70	25	30	11
Total aggregate required to pass		**20**	**500**	**350**	**140**	**150**	**60**
Fourth Semester B							
5MAHIN1	शोध प्रविधि	4	100	70	25	30	11
5MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	100	70	25	30	11
5MAHIN3	विशेष अध्ययन –रामचंद्र शुक्ल / कथाकार प्रेमचंद/ जयशंकर प्रसाद	4	100	70	25	30	11
5MAHIN4	लघु शोध (Dissertation)	8	200	100	36	100	36
Total aggregate required to pass		**20**	**500**	**310**	**124**	**190**	**76**

मूल्यांकन योजना:

- प्रत्येक सिद्धांत, व्यावहारिक, परियोजना, शोध प्रबंध और आंतरिक मूल्यांकन में 36 प्रतिशत लेकिन उत्तीर्ण होने के लिए कुल योग 40 प्रतिशत है।

अवधि:

इस कार्यक्रम की अवधि दो वर्षीय चार सेमेस्टर का होगा तथा शिक्षार्थियों को अपनी स्नातकोत्तर उपाधि 04 वर्ष के अन्दर पूर्ण करना होगा।

माध्यम:

इस कार्यक्रम का माध्यम हिन्दी होगा, लिखित परीक्षा हिन्दी भाषा में आयोजित किया जायेगा।

शैक्षणिक एवं सहायक स्टाफ की आवश्यकता:

एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम के लिए विश्वविद्यालय में सह–प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक स्तर के दो संकाय सदस्य (ओडीएल पाठ्यक्रमों के लिए पूर्णकालिक–समर्पित) हैं। पाठ्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार सहायक कर्मचारियों को विश्वविद्यालय परामर्श केंद्र में प्रतिनियुक्त किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों के लिए शिक्षार्थी सहायता केन्द्र भी स्थापित है।

पाठ्यक्रम डिलीवरी व्यवस्था:

दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पढ़ने का तरीका परम्परागत शिक्षा व्यवस्था से पूरी तरह अलग होता है। दूरस्थ शिक्षा में यह तुलनात्मक रूप से अधिक शिक्षार्थी पर केन्द्रित होती है तथा पढ़ने–पढ़ाने की प्रक्रिया में शिक्षार्थी सक्रिय रूप से भागीदारी करता है। आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा विधियों के अनुसार शिक्षार्थियों को पढ़ाया व सिखाया जाता है। पाठ्यक्रम के प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिये मुद्रित अध्ययन सामग्री समय–समय पर शिक्षार्थी को भेजी जाती है।

एक वर्ष के पाठ्यक्रम के लिये शैक्षणिक सत्र 30 दिनों का होगा। संपर्क कार्यक्रम के लिये समय एवं स्थान की जानकारी शिक्षार्थियों को अलग से भेजी जायेगी। शिक्षार्थियों को दूरस्थ शिक्षा के अंतर्गत पाठ्यक्रम डिलीवरी के लिये मल्टीमीडिया प्रकार से अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है।

- **स्व निर्देशात्मक मुद्रित सामग्री** –शिक्षार्थियों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक दोनों प्रकार के ज्ञान के लिए पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री अलग–अलग समूहों में स्वनिर्देशात्मक शैली में मुद्रित कर भेजी जाती है।
- **दृश्य श्रव्य सामग्री** –शिक्षार्थी आसानी से विषय समझ सके इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा अनेक पाठ्यक्रम आधारित दृश्य–श्रव्य सीडी का निर्माण किया गया है। ये दृश्य कार्यक्रम सामान्यत: 25–30 मिनट अवधि के होते है। इन दृश्य प्रोग्रामों को अध्ययन केन्द्रों पर नियत समय पर शिक्षार्थियों के लिए दिखाया जाता है।
- **परामर्श सत्र** –विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र द्वारा शिक्षार्थियों की सुविधा हेतु अपने यहाँ नियत कार्यक्रम के अनुसार परामर्श सत्र आयोजित किये जाते हैं सामान्यत: इन्हें विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र में आयोजित किया जाता है।
- **टेली कान्फ्रेसिंग** –विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र में स्टूडियो से शिक्षार्थियों व शिक्षकों के मध्य संवाद हेतु वीडियो कान्फ्रेसिंग का आयोजन किया जाता है। इसका विवरण विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र में उपलब्ध कराया जाता है।
- **सत्रीय कार्य** –कुछ पाठ्यक्रमों में औद्योगिक प्रशिक्षण/प्रायोगिक/परियोजना कार्य भी सम्मिलित है किन्तु इस कार्यक्रम में सत्रीय कार्य/लघुशोध प्रबंध कार्य सम्मिलित है जिसमें

30 प्रतिशत वेटेज दिया जायेगा सत्रीय कार्य विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराई गई समय सारणी अनुसार कराए जाते है। सत्रीय कार्य के लिए प्रत्येक विषय के प्रश्न विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र में उपलब्ध करायी जाती है।

- **सम्पर्क कक्षाओं की प्रकृति** –सम्पर्क कक्षा के दौरान शिक्षार्थियों को पाठ्यक्रम सामग्री के अधार पर निर्देश एवं मार्गदर्शन दिये जाते हैं सम्पर्क कक्षा के समय शिक्षार्थी अपनी समस्याओं के समाधान हेतु परामर्शदाता एवं सहपाठी से विचार विमर्श कर सकता है। शिक्षार्थी विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र द्वारा करायी जाने वाली विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी शामिल हो सकता है।
- **परामर्श एवं अध्ययन संरचना** :–सम्पूर्ण एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम में परामर्श एवं अध्ययन संरचना क्रेडिट सिस्टम व अध्ययन अवधि घण्टों पर अधारित है प्रत्येक सेमेस्टर में एक विषय 4 क्रेडिट का होगा जिसमे अध्ययन के लिए 120 घण्टों की आवश्यकता होगी। इस अध्ययन अवधि को प्रत्यक्ष परामर्श में 16 घण्टें, स्वअध्ययन 68 घण्टें और सत्रीय कार्य में 36 घण्टें में विभाजित है।

परामर्श एवं अध्ययन संरचना (COUNSELING AND STUDY STRUCTURE)

Course Code	Title of the Course	Credit	Total Hours of Study	Counselling and Study Structure (hours)				Project
				Face to Face Counselling	Self study	Practical	Assignments	
			First Semester					
1MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास –I	4	120	16	68		36	
1MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास–I	4	120	16	68		36	
1MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र–I	4	120	16	68		36	
1MAHIN4	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	120	16	68		36	
1MAHIN5	हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	120	16	68		36	
			Second Semester					
2MAHIN1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास –II	4	120	16	68		36	
2MAHIN2	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास–II	4	120	16	68		36	
2MAHIN3	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र–II	4	120	16	68		36	
2MAHIN4	अनुवाद विज्ञान	4	120	16	68		36	
2MAHIN5	हिन्दी साहित्य का इतिहास–II	4	120	16	68		36	
			Third Semester					
3MAHIN1	आधुनिक हिन्दी काव्य और उसका इतिहास	4	120	16	68		36	

Registrar · Dr. C.V. Raman University · Vice Chancellor · Bilaspur (C.G.)

3MAHIN2	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4	120	16	68		36	
3MAHIN3	लोक साहित्य	4	120	16	68		36	
3MAHIN4	पत्रकारिता प्रशिक्षण	4	120	16	68		36	
3MAHIN	विशेष अध्ययन – कवि तुलसीदास/ सूरदास/ निराला	4	120	16	68		36	
Fourth Semester A								
4MAHIN1	शोध प्रविधि	4	120	16	68		36	
4MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	120	16	68		36	
4MAHIN3	हिन्दी भाषा	4	120	16	68		36	
4MAHIN4	समकालीन विमर्श (स्त्री एवं दलित विमर्श)	4	120	16	68		36	
4MAHIN5	विशेष अध्ययन –रामचंद शुक्ल / कथाकार प्रेमचंद/ जयशंकर प्रसाद	4	120	16	68		36	
Fourth Semester B								
5MAHIN1	शोध प्रविधि	4	120	16	68		36	
5MAHIN2	दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखन	4	120	16	68		36	
5MAHIN3	विशेष अध्ययन –रामचंद्र शुक्ल / कथाकार प्रेमचंद/ जयशंकर प्रसाद	4	120	16	68		36	
5MAHIN4	लघु शोध (Dissertation)	8	240	32	136		72	

(च) प्रवेश पाठ्य क्रम लागू करने और मूल्यांकन करने की प्रकियाः

प्रवेश प्रक्रियाः

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के अर्न्तगत एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम में प्रवेश प्रवीण्य सूची या प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय के नियमानुसार। यू. जी. सी. से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण। इस कार्यक्रम में प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से किया जायेगा। शिक्षार्थी को विश्वविद्यालय द्वारा तय अवधि में समस्त प्रमाण पत्र एवं प्रवेश शुल्क के साथ आवेदन करना होगा।

S.N.	Course	Eligibility	Duration	Total Fee
1	M.A. Hindi	Graduate any dicipline	2 Years	24600

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

वित्तीय सहायताः

अनु. जाति/ अनु. जन जाति के शिक्षार्थी को ई–छात्रवृत्ति छ. ग. शासन के निर्धारित योजना के मानदण्ड के अनुसार प्राप्त होगा।

मूल्यांकन पद्धतिः

मूल्यांकन पद्धति मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पद्धति के मूल्यांकन, परम्परागत शिक्षा पद्धति से अलग होता है।

विश्वविद्यालय में मूल्यांकन बहुस्तरीय पद्धति है।

1. अध्ययन इकाई के अन्दर ही स्व मूल्यांकन की बहुस्तरीय पद्धति है।
2. शिक्षक द्वारा जाँचे जाने सत्रीय कार्य तथा समय समय पर आयोजित संगोष्ठी, फिल्ड वर्क, सामुदायिक भागीदारी, विस्तारित सम्पर्क कार्यक्रम के माध्यम से सतत् मूल्यांकन ।
3. अंतिम सेमेस्टर परीक्षा/टर्म समाप्ति होने पर परीक्षा।
4. शिक्षार्थियों का मूल्यांकन उनके द्वारा अध्ययन क्रम के दौरान इन गतिविधियों पर निर्भर करता है जिनमें वे भाग लेते हैं। अवधि पूरी होने के उपरान्त होने वाली परीक्षा में शिक्षार्थी सम्मिलित हो सकता है जबकि उसने अध्ययन क्रम में दिये गये समस्त सत्रीय कार्य पूर्ण कर लिया हो। शिक्षार्थी को शिक्षक द्वारा जाँचे जाने वाले सत्रीय कार्य को विश्वविद्यालय परामर्श केन्द्र पर जमा करना होता है जिससे वह सम्बन्धित है। शिक्षार्थी को सलाह दी जाती है कि वे शिक्षक द्वारा जाँचे जाने वाले सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें तथा मांगे जाने पर शिक्षार्थी मूल्यांकन प्रभाग के सम्मुख उन्हे प्रस्तुत करें। दिसंबर एवं जून में प्रदेश भर में चयनित केन्द्रों में पाठ्यक्रम के उपरान्त परीक्षा आयोजित की जायेगी। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सत्रीय कार्य को 50% वेटेज दिया जायेगा।

(अ) आंतरिक मूल्यांकन (सतत मूल्यांकन यानी होम असाईनमेंट) : 30 प्रतिशत वेटेज।

(ब) अंतिम सेमेस्टर परीक्षा/टर्म समाप्ति परीक्षा – 70 प्रतिशत वेटेज।

अंतिम सेमेस्टर परीक्षा/टर्म समाप्ति परीक्षा (योगात्मक मूल्यांकन)	70
आंतरिक मूल्यांकन (सतत् मूल्यांकन)	30
कुल अंक	100

विश्वविद्यालय द्वारा अंतिम सेमेस्टर परीक्षा/टर्म समाप्ति परीक्षा के उपरान्त प्रत्येक वर्ष नवंबर–दिसंबर एवं मई–जून में टर्म समाप्ति परीक्षा आयोजित की जाती है शिक्षार्थी इस परीक्षा में तभी सम्मिलित हो सकता है जब वह निम्नांकित शर्तें पूर्ण करेगा –

Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.) Registrar
Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)

1. शिक्षार्थी का उस पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण वैद्य हो।
2. उस अध्ययन क्रम के लिए आवश्यक न्यूनतम समय पूर्ण किया हो।
3. उस अध्ययन क्रम के लिए आवश्यक समस्त सत्रीय कार्य निर्धारित समयावधि में जमा किया हो।

(स) सत्रीय/लघुशोध प्रबंध कार्य:

यदि शिक्षार्थी एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर में (ग्रुप B) का चयन करता है तो उन्हें तीन मुख्य विषय के परीक्षा के साथ चतुर्थ विषय लघुशोध प्रबंध कार्य निर्धारित समायावधि में पूर्ण करना होगा। लघुशोध प्रबंध कार्य 140 अंक और उसमें मौखिक परीक्षा 60 अंक के होंगे साथ ही अन्य विषयों के सत्रीय कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना होगा।

(छ) प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय संसाधन की आवश्यकता:

इस पाठ्यक्रम में प्रयोगशाला की आवश्यकता नही होगी। शिक्षार्थियों के अध्ययन के लिये विश्वविद्यालय में केन्द्रिय पुस्तकालय एवं संदर्भ पुस्तकालय, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान में उपलब्ध है जहां शिक्षार्थी अपनी सुविधानुसार पाठ्य सामग्री लेकर अध्ययन कर सकता है।

(ज) कार्यक्रम पर होने वाली लागत और प्रावधान –

वर्ष 2009–10 में पहले ही डिजाइन और विकसित किया जा चुका है। विकास की इस प्रक्रिया में, आज के परिदृश्य को देखते हुए, वर्तमान लागत अनुमान में विकास लागत भी शामिल है। इस कार्यक्रम के लिए डिलीवरी लागत और रखरखाव लागत 955020 की राशि आती है, और 956000 रुपये का प्रावधान किया गया है।

(झ) गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और अपेक्षित कार्यक्रम परिणाम –

विश्वविद्यालय के गुणवत्ता आश्वासन तंत्र और भाषा विज्ञान विभाग (हिन्दी) द्वारा इस कार्यक्रम की निरंतर समीक्षा एवं निगरानी की जाती है तथा हितग्राहियों की प्रतिक्रिया के आधार पर उचित निष्कर्ष निकालकर कार्यक्रम को और प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाया जाता है।

एम. ए. हिन्दी कार्यक्रम के द्वारा शिक्षार्थियों को हिन्दी भाषा में दक्षता प्राप्त करने, हिन्दी साहित्य के विभिन्न पहलुओं की उच्चस्तरीय शिक्षा प्राप्त करने शासकीय/अशासकीय कर्मचारियों को पदोन्नति का अवसर के साथ–साथ हिन्दी भाषा शिक्षक, व्याख्याता, कार्यालयीन भाषा अधिकारी, ऑनलाइन, स्क्रिप्टर, हिन्दी प्रशिक्षण अधिकारी के क्षेत्र में भविष्य निर्माण का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा।

Dr. C.V. Raman University Registrar Kota Road, Kota (C.G.)

Dr. C.V. Raman University Vice Chancellor Bilaspur (C.G.)